विडंबना स्लीमनाबाद टनल निर्माण के लिए विस्थापित किए गए हैं मोहड़ापुरा गांव के आदिवासी परिवार, शाम होते ही छा जाता है अंधेरा

बुनियादी सुविधाओं के अभाव में विस्थापित परिवार

नवभारत, कटनी। जिले की स्लीमनाबाद टनल परियोजना से विस्थापित हुए मोहड़ापुरा के आदिवासी परिवार आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। इन परिवारों को तीन साल पहले उनके मूल स्थान से 5 किलोमीटर दूर एक ऐसे क्षेत्र में बसाया गया था, जहां बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। इन परिवारों का विस्थापन स्लीमनाबाद टनल के निर्माण के उद्देश्य से किया गया था। इन परिवारों ने अपनी पुश्तैनी जमीन, घर और सांस्कृतिक पहचान का बलिदान किया, लेकिन जिस स्थान पर विस्थापित किए गए परिवारों को बसाया गया है, उसे प्रशासनिक दस्तावेजों में पुनर्वास स्थल बताया गया है, लेकिन वास्तविकता में इस स्थान में बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। पुनर्वास बस्ती तक पहुंचने का मार्ग पत्थरों और धूल से भरा एक संकरा पगडंडी है। इसे प्रशासनिक दस्तावेजों में सड़क के रूप में दर्शाया गया है। यहां रहने वाले परिवारों को मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जीवनयापन करना पड़ रहा है। विस्थापित सुशील कुमार कोल ने बताया कि हमें तीन साल पहले जब मोहड़ापुरा से यहां लाया जा रहा था, तब स्थानीय प्रशासन के अधिकारी आए थे। उन्होंने हमसे वादा किया था कि नए स्थान पर आपको पक्की सड़कें, 24 घंटे बिजली और शुद्ध पीने का पानी मिलेगा। लेकिन आज तीन साल बीत जाने के बाद भी हम बिजली, पानी और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं मिलीं। विस्थापन के शुरुआती दिनों में यहां बिजली का एक ट्रांसफार्मर लगाया गया था। कुछ महीनों तक घरों में रोशनी भी रही। वादों के मुताबिक बिजली का बिल जमा ही नहीं किया। नतीजा यह हुआ कि बिजली विभाग ने लाखों रुपए का बकाया होने के कारण इस पूरे विस्थापित गांव की लाइट काट दी। अंधेरा गहराने के साथ ही इस विस्थापित बस्ती की भयावहता और साफ होने लगती है। विस्थापित बस्ती में रहने वाली ज्योति कोल ने बतािया कि हमें इंसानों की तरह नहीं, बल्कि कचरे की तरह यहां लाकर फेंक दिया है। न यहां बिजली की कोई व्यवस्था है और न ही पानी की। सबसे ज्यादा तकलीफ हमारे बच्चों को हो रही है। बिना बिजली के रात में वे पढ़ नहीं पाते, उनका भविष्य इसी अंधेरे में डूब रहा है। उन्होने बताया कि विस्थापन की यह जगह पूरी तरह जंगलों से घिरी है। बारिश के दिनों में यह इलाका किसी नरक से कम नहीं होता। सड़क न होने के कारण पूरा रास्ता दलदल बन जाता है, आज के जमाने में भी हम लालटेन और चिमनी जलाकर रातें काटने को मजबूर हैं। सरकार से हमारी बस इतनी ही मांग है कि जल्द से जल्द यहां लाइट की व्यवस्था की जाए, ताकि हम चैन की सांस ले सकें। विस्थापित बस्ती निवासी साहिल ने बताया कि हमें अपने पुरखों के गांव से हटाकर इस जंगल में लावारिस छोड़ दिया गया है। यहां न सड़क है, न बिजली और न पानी। बारिश के दिनों में हमारी हालत और खराब हो जाती है। साहिल ने अपने छोटे भाई-बहनों की शिक्षा को लेकर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बिजली के अभाव और अव्यवस्थाओं के चलते गांव के बच्चे और युवा ठीक से अध्ययन भी नहीं कर पा रहे हैं। उनकी मांग है कि विस्थापित गांव में तत्काल सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। साथ ही मुआवजे वितरण पर गड़बड़ी के आरोप लगाए गए हैं। वहीं इस मामले में बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि विभाग द्वारा वहां ट्रांसफार्मर लगाया गया था, लेकिन लगभग 15 लाख रुपए का बिजली बिल बकाया होने के कारण कनेक्शन काट दिया गया है।

छात्रावास का खाना खाने के बाद बीमार हुईं पांच छात्राएं

सरकारी कन्या छात्रावास में रहती हैं छात्राएं

नवभारत, कटनी। जिले के एनकेजे थाना क्षेत्र के ग्राम सरस्वती में स्थित शासकीय कन्या परिसर विद्यालय में शनिवार दोपहर पांच छात्राओं की तबीयत अचानक बिगड़ गई। बच्चों को सांस लेने में तकलीफ और तेज घबराहट होने के बाद तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर्स की निगरानी में उनका इलाज किया जा रहा है। दोपहर में स्कूल में सब कुछ सामान्य चल रहा था, तभी कुछ छात्राओं की सांस फूलने लगी और घबराहट होने लगी। देखते ही देखते पांच छात्राओं की हालत ज्यादा बिगड़ गई, जिससे स्कूल परिसर में हड़कंप मच गया। स्कूल प्रबंधन ने बिना देर किए निजी वाहनों और एम्बुलेंस की मदद से बीमार छात्राओं को जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में भर्ती कराई गई छात्राओं के नाम वसुंधरा सिंह, खुशबू, दिव्या, शबनम और पायल हैं। घटना की खबर मिलते ही छात्राओं के घरवाले परेशान होकर अस्पताल पहुंचे। बीमार छात्रा वसुंधरा सिंह टेकाम के पिता अरविंद सिंह टेकाम ने स्कूल प्रबंधन और वहां की व्यवस्थाओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी 11वीं कक्षा में पढ़ती है और इसी परिसर के हॉस्टल में रहती है। अरविंद सिंह ने आरोप लगाया कि हॉस्टल में पिछले कई दिनों से बच्चों को बेहद घटिया और खराब क्वालिटी का खाना परोसा जा रहा है। बार-बार की जा रही इसी लापरवाही की वजह से बच्चों की तबियत बिगड़ी है।

एक नजर में

शौचालय विहीन परिवारों की कराई जाएगी पहचान

नवभारत, उमरियापान। जिले में स्वच्छता और प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 20 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरसिमरन प्रीत कौर ने जिले के सभी जनपद पंचायत सीईओ को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े पात्र हितग्राहियों को शौचालय निर्माण योजना का लाभ दिलाया जाए। सीईओ ने कहा है कि अभियान के दौरान ऐसे सभी पात्र परिवारों की पहचान की जाए, जिनके घरों में अभी तक शौचालय का निर्माण नहीं हुआ है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में सर्वे कर शौचालय विहीन परिवारों की सूची तैयार की जाएगी, ताकि उन्हें योजना से जोड़कर शौचालय निर्माण कराया जा सके। सीईओ ने कहा कि कोई भी पात्र परिवार छूटना नहीं चाहिए। उन्होने कहा कि अभियान की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रत्येक पात्र परिवार को शौचालय की सुविधा उपलब्ध हो, जिससे खुले में शौच की समस्या पूरी तरह समाप्त हो और स्वच्छ, स्वस्थ ग्रामों के निर्माण के लक्ष्य को गति मिल सके।

इंजीनियरिंग का बेजोड़ उदाहरण है स्लीमनाबाद टनल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया टनल का निरीक्षण

नवभारत, कटनी। मध्य प्रदेश में सिंचाई के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए स्लीमनाबाद कैरियर कैनाल परियोजना के तहत भारत की सबसे लंबी सिंचाई सुरंग का कार्य लगभग पूर्णता की ओर है। करीब 12 किलोमीटर लंबी इस सुरंग का निरीक्षण मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने किया।

पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड द्वारा निर्मित यह सुरंग बरगी डायवर्जन परियोजना का अहम हिस्सा है, जिससे जबलपुर, कटनी, पन्ना, सतना, मैहर और रीवा सहित छह जिलों के करीब 1,450 गांवों में लगभग 2.45 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि को स्थायी सिंचाई सुविधा मिलेगी। साथ ही जबलपुर और कटनी के लिए प्रतिदिन 284 मिलियन लीटर पेयजल एवं औद्योगिक उपयोग के लिए जलापूर्ति भी सुनिश्चित होगी। परियोजना को भारत की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिगत इंजीनियरिंग परियोजनाओं में माना जा रहा है। विंध्य पर्वतमाला के नीचे कठिन भूगर्भीय परिस्थितियों और ऊंचे जलस्तर के बीच अत्याधुनिक टनल बोरिंग मशीनों की मदद से सुरंग का निर्माण किया गया। पटेल इंजीनियरिंग की प्रबंध निदेशक कविता शिरवाइकर ने इसे कंपनी और देश के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि यह परियोजना किसानों की सिंचाई क्षमता बढ़ाने, कृषि उत्पादन में वृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगी।

लाखों की लागत से बने बस स्टैंड में नहीं बना प्लेटफार्म और ब्लाक

रीठी के नवनिर्मित बस स्टैंड में स्वच्छता का भी आभाव

नवभारत, रीठी। जिले के रीठी जनपद पंचायत मुख्यालय में लाखों रुपए की लागत राशि से बस स्टैंड का निर्माण कार्य तो करा दिया गया है, लेकिन लाखों रूपयों से बना यह भवन नमूना बनकर रह गया है।

हकीकत यह है कि नवनिर्मित बस स्टैंड के चौतरफा गंदगी का अंबार लगा हुआ है। खास बात तो यह है कि इस बस स्टैंड में न तो प्लेटफार्म बनाया गया है और न ही परिसर में सीसी या पेवर ब्लाक लगाए गए हैं। रीठी मुख्यालय में बना नवीन बस स्टैंड जिम्मेदार अधिकारियों व स्थानीय जनप्रतिनिधियों की अनदेखी का शिकार होकर रह गया है। निर्माण के नाम पर सिर्फ भवन बनाकर नमूना खड़ा कर खानापूर्ति कर दी गई है। न प्रवेश व निकास द्वार बनाया है और न अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। बारिश होते ही पूरा परिसर कीचड़ से दलदल में तब्दील हो जाता है। शासन के लाखों रूपयों से रीठी में एक नमूना बनकर खड़ा है। लोगों का कहना है कि रीठी बस स्टैंड में आज तक कोई यात्री बसों ने प्रवेश ही नहीं किया। जबकि सभी यात्री बसें सड़क के किनारे खड़ी होती हैं, जिससे हर पल जाम की स्थिति भी बनी रहती है।

परिसर के आसपास अतिक्रमण की काली छाया लाखों की बिल्डिंग को हवा भी नहीं लगने दे रही है। इस ओर न तो कोई जिम्मेदार अधिकारी ध्यान दें रहे हैं और न ही स्थानीय कुर्ता पायजामा वाले जनप्रतिनिधि। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि जल्द से जल्द इस पर ध्यान देना पूर्ण निर्माण कार्य कराया जाए।

जवाबदेही से बचते हैं बीएमओ, आपत्तिजनक भाषा के उपयोग का आरोप

उमरियापान नगर में निकाली गई रथ यात्रा

नवभारत, रीठी। जिले की रीठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ आसित निगम की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में हैं। अस्पताल से जुड़ी समस्याओं या आरोपों के संबंध में बीएमओ से जानकारी लेने का प्रयास किया जाता है तो उनका एक ही जवाब होता है कि उन्हें नहीं पता।

इससे पहले भी जब डॉ आसित निगम जब बिलहरी में मेडिकल ऑफिसर के पद पर पदस्थ थे, तब आरोप लगे थे कि उन्होंने स्थानीय मीडिया के लिए आपत्तिजनक और अभद्र शब्दों का प्रयोग किया था। जब इस मामले में उनसे सवाल किया गया, तो वे कुछ देर तक चुप रहे और बाद में आरोप से इनकार कर दिया। हालांकि स्थानीय मीडिया का दावा है कि इस पूरे मामले के प्रमाण उसके पास सुरक्षित हैं। अब कई सवाल खड़े हो रहे हैं। क्या एक जिम्मेदार सरकारी अधिकारी द्वारा मीडिया के लिए इस तरह की भाषा का इस्तेमाल उचित माना जा सकता है और यदि अस्पताल से जुड़े बुनियादी सवालों पर भी बीएमओ का जवाब सिर्फ मुझे नहीं पता है, तो क्या यह प्रशासनिक जिम्मेदारी निभाने पर सवाल नहीं खड़े करता। फिलहाल इन आरोपों और सवालों पर संबंधित अधिकारी का पक्ष सामने आ चुका है, जिसमें उन्होंने आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल से साफ इनकार किया है। आपको बतादें के रीठी क्षेत्र की सरकासरी स्वास्थ्य सेवाओं पर लापरवाही के आरोप लगते रहते हैं, लापरवाह कार्यप्रणाली से रीठी क्षेत्र का सरकारी स्वास्थ्य विभाग आए दिन चर्चा में रहता है।

विकास कार्य जाकिर हुसैन वार्ड में एक करोड़ 33 लाख की लागत से होंगे विकास कार्य, महापौर की उपस्थिति में हुआ भूमिपूजन

शहर के सभी वार्डों का समान रूप से विकास कराना ही नगर निगम का संकल्प

नवभारत, कटनी। वर्षों की जनअपेक्षाओं को साकार करते हुए नगर निगम कटनी द्वारा जाकिर हुसैन वार्ड क्रमांक 38 में लगभग 1 करोड़ 33 लाख की लागत से विभिन्न जनहितैषी विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी और क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती रेखा संजय तिवारी सहित जनप्रतिनिधियों ने विधिवत भूमिपूजन कर विकास कार्यों की आधारशिला रखी। इन विकास कार्यों के शुभारंभ से क्षेत्र में सड़क, नाली, आंगनबाड़ी भवन और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा तथा वर्षों से लंबित विकास कार्य अब धरातल पर आकार लेते दिखाई देंगे। भूमिपूजन कार्यक्रम के अंतर्गत अधोसंरचना मद से लगभग 93.85 लाख की लागत से गौरीशंकर मंदिर के समीप सड़क एवं नाली निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इसके अलावा 13 लाख की लागत से आंगनबाड़ी भवन निर्माण, संजय नगर में 5.25 लाख की लागत से रंगमंच निर्माण, संजय नगर मुक्तिधाम में 4.03 लाख की लागत से गेट एवं बाउंड्रीवाल निर्माण, संजय नगर सामुदायिक भवन के पीछे 4.03 लाख की लागत से बाउंड्रीवाल निर्माण, सरस्वती स्कूल के समीप पानी की टंकी के पास 4.03 लाख की लागत से बाउंड्रीवाल निर्माण तथा खंपरिया मोहल्ला में खूबसिंह के घर से नारायण खंपरिया एवं बंटू सोनी से आगे मथुरा तिवारी तक 8.52 लाख की लागत से सी.सी. रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इन निर्माण कार्यों के पूर्ण होने के बाद क्षेत्रवासियों को सड़क, नाली, जल निकासी, आवागमन एवं अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी वर्षों पुरानी समस्याओं से राहत मिलेगी। साथ ही क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होने से विकास को नई गति मिलेगी और नागरिकों के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने कहा कि नगर निगम का संकल्प शहर के प्रत्येक वार्ड तक समान रूप से विकास पहुंचाना है। नागरिकों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए अधोसंरचना, सड़क, नाली, आंगनबाड़ी एवं सामुदायिक सुविधाओं के विकास के लिए लगतार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनहित के कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी तथा नगर के प्रत्येक वार्ड का समग्र और संतुलित विकास महापौर श्रीमती सूरी ने इस अवसर पर उपस्थित स्थानीय महिलाओं से स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ शहर के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार घर से निकलने वाले गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग कर नगर निगम की कचरा संग्रहण वाहनों को ही सौंपे, जिससे कचरे का वैज्ञानिक और बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। महापौर ने एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़कर पौधरोपण करने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने के लिए भी कहा।

नशे की लत से खराब होता है स्वास्थ्य, उजड़ जाता है हंसता खेलता परिवार

नवभारत, रीठी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश और रीठी थाना प्रभारी रीठी के मार्गदर्शन में पुलिस द्वारा नशे के अवैध कारोबार और बढ़ते प्रचलन के विरुद्ध एक विशेष जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत पुलिस टीम ने क्षेत्र की विभिन्न झुग्गी-झोपड़ियों का दौरा किया। जहां अस्थायी निवास बनाकर रह रहे और ट्रेनों में भीख मांगकर जीवन बसर करने वाले अत्यंत जरूरतमंद और संवेदनशील वर्ग के लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति समझाइश दी गई। अभियान के दौरान पुलिस ने लोगों को समझाया कि नशे से दूरी, जीवन के लिए है जरूरी है। नशे की लत न सिर्फ स्वास्थ्य को पूरी तरह बर्बाद कर देती है, बल्कि यह हंसते-खेलते परिवारों को उजाड़ देती है और अपराध की ओर धकेलती है। पुलिस टीम ने विशेष रूप से बच्चों और महिलाओं को जागरूक करते हुए उन्हें नशा नहीं करने और अपने परिवार के सदस्यों को भी इस सामाजिक बुराई से दूर रखने के लिए प्रेरित किया। अभियान के दौरान उपस्थित सभी नागरिकों को पुलिस टीम द्वारा नशा न करने और समाज को नशा-मुक्त बनाने में सहयोग करने की सामूहिक शपथ भी दिलाई गई। जागरूकता अभियान के दौरान एसआई विनोद पटेल, आरक्षक अमन सिंह ठाकुर द्वारा किया गया। पुलिस टीम ने झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों में जाकर नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के पोस्टर और पम्पलेट भी प्रदर्शित किए। लोगों को कानून व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार के अवैध नशे की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए कहा गया है।

नवभारत

आवश्यकता है

देश के अनेक राज्यों में प्रकाशित नवभारत समाचार पत्र समूह के **कटनी जिले** के लिये निम्न पद के लिये योग्य व्यक्तियों की आवश्यकता है-

पद की योग्यता

रिपोर्टर (पुरूष)

(3 वर्ष का अनुभव पत्रकारिता में एवं बीजेसी एवं एमजेसी)

संपर्क करें

कार्यालय- नवभारत प्रेस, चौथापुल, महर्षि स्कूल के सामने, जबलपुर (दोपहर 12 से शाम 8 बजे तक)

9752721239 hr@navabharat.com